भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
**लोक सभा**
लिखित प्रश्न सं. 170
सोमवार, 14 सितम्बर, 2020/23 भाद्रपद, 1942 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

**धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा**

**170. श्रीमती गीताबेन वी॰ राठवाः**
**श्री परबतभाई सवाभाई पटेलः**
**श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः**
**श्री प्रदीप कुमार सिंहः**
**श्री शान्तनु ठाकुरः**
**श्री नारणभाई काछड़ियाः**
**श्री जॉन बर्लाः**

क्या **पर्यटन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का तीर्थाटन जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक उन्नति अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन के तहत गुजरात, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित देश भर में आध्यात्मिक/धार्मिक पर्यटन स्थलों को विकसित करने का विचार है;

(ख) क्या सरकार ने गत तीन वर्षों के दौरान धार्मिक पर्यटन को बढावा देने के लिए निधियां स्वीकृत की हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)**

(क) से ( ग) : पर्यटन मंत्रालय अपनी ''तीर्थ स्थान जीर्णोद्धार तथा आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान'' (प्रशाद) योजना के अंतर्गत तीर्थस्थानों के अवसंरचना विकास और सौंदर्यीकरण के लिए संबंधित राज्य सरकारो/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से उपयुक्त डीपीआर प्राप्त होने पर निधियों की उपलब्धता, पूर्व में जारी की गई निधि के संबंध में लंबित उपयोगिता प्रमाणपत्र की प्रस्तुति और संगत योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन की शर्त पर केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है। गुजरात, पश्चिम बंगाल तथा बिहार राज्य सहित इस योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय वर्तमान में जारी अपने संवर्धनात्मक कार्यकलापों के भाग के रूप में आध्यात्मिक/धार्मिक पर्यटन स्थानों सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए अतुल्य भारत ब्रांड-लाइन के तहत अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू बाजारों में वार्षिक रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय के सोशल मीडिया अकाउंट तथा वेबसाइट के माध्यम से भी संवर्धन का कार्य किया जाता है।

*******

**अनुबंध**

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा के सम्बन्ध में दिनांक 14.09.2020 का लोक सभा के लिखित प्रश्न सं 170 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण।**

| **राज्य/संघ राज्यक्षेत्र** | **परियोजना का नाम** | **स्वीकृति वर्ष** | **स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)** | **जारी की गई राशि (करोड़ रु. में)** |
|---|---|---|---|---|
| आंध्र प्रदेश | गुंटूर जिले के अमरावती शहर का पर्यटक गंतव्य के रूप में विकास | 2015-16 | 27.77 | 27.77 |
| | श्रीशैलम मंदिर का विकास | 2017-18 | 47.45 | 37.96 |
| असम | कामाख्या मंदिर तथा गुवाहाटी और उसके आसपास तीर्थ स्थानों का विकास | 2015-16 | 30.71 | 24.57 |
| बिहार | विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूलभूत सुविधाओं का विकास | 2014-15 | 4.27 | 2.91 |
| | पटना साहिब का विकास | 2015-16 | 41.54 | 33.23 |
| गुजरात | द्वारका का विकास | 2016-17 | 13.08 | 10.46 |
| | सोमनाथ में तीर्थ यात्रा सुविधाएं | 2016-17 | 45.36 | 45.36 |
| | प्रसाद योजना के तहत सोमनाथ में प्रॉमिनेड का विकास | 2018-19 | 44.59 | 37.90 |
| हरियाणा | पंचकूला जिले में नाडासाहिब गुरुद्वारा तथा माता मनसा देवी मंदिर का विकास | 2019-20 | 49.52 | 7.67 |
| जम्मू और कश्मीर | हजरत बल का विकास | 2016-17 | 40.46 | 32.37 |
| झारखंड | बैद्यनाथ जी धाम, देवघर का विकास | 2018-19 | 39.13 | 11.58 |
| केरल | गुरुवायूर मंदिर का विकास | 2016-17 | 46.14 | 36.91 |
| मध्य प्रदेश | ओमकारेश्वर का विकास | 2017-18 | 44.83 | 35.87 |
| महाराष्ट्र | त्रयंबकेश्वर का विकास | 2017-18 | 37.81 | 8.49 |
| नागालैंड | नागालैंड में तीर्थ यात्रा अवसंरचना का विकास | 2018-19 | 25.26 | 7.53 |
| ओडीशा | मेगा सर्किट के अंतर्गत पुरी, श्री जगन्नाथ धाम– रामा चंडी– देवली में प्राची रिवर फ्रंट में अवसंरचना विकास | 2014-15 | 50.00 | 10.00 |
| पंजाब | अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास | 2015-16 | 6.40 | 6.40 |
| राजस्थान | पुष्कर/ अजमेर का एकीकृत विकास | 2015-16 | 32.64 | 26.11 |
| तमिलनाडु | कांचीपुरम का विकास | 2016-17 | 13.99 | 13.99 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | वेलंकानी का विकास | 2016-17 | 4.86 | 4.86 |
| उत्तराखंड | केदारनाथ का एकीकृत विकास | 2015-16 | 34.78 | 27.83 |
| | प्रसाद योजना के अंतर्गत बद्रीनाथ जी धाम (उत्तराखंड) में तीर्थ यात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास | 2018-19 | 39.24 | 11.77 |
| उत्तर प्रदेश | मेगा पर्यटक परिपथ (चरण-II) के रूप में मथुरा– वृंदावन का विकास | 2014-15 | 14.93 | 10.38 |
| | वृंदावन, जिला मथुरा में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण | 2014-15 | 9.36 | 9.36 |
| | वाराणसी का विकास | 2015-16 | 20.40 | 16.32 |
| | गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज़ पर्यटन | 2017-18 | 10.72 | 8.57 |
| | प्रसाद योजना– चरण-II के तहत वाराणसी का विकास | 2017-18 | 44.60 | 31.77 |
| | गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में अवसंरचना सुविधाओं का विकास | 2018-19 | 39.74 | 14.23 |
| पश्चिम बंगाल | बेलूर का विकास | 2016-17 | 30.03 | 23.39 |
| मेघालय | मेघालय में तीर्थ यात्रा सुविधा का विकास | 2020-21 | 29.32 | प्रशासनिक स्वीकृत 05.05.20 |

*******